गुरूग्राम विश्वविद्यालय

नवीन पाठ्यक्रम

हिंदी अनिवार्य

सत्र 2021–22

Scheme & Examination of Composition Hindi (B.A.I.VI Sem)

B.A. I Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper I	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

B.A. II Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper II	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

B.A. III Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper III	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

B.A. IV Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper IV	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

B.A. V Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper V	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

B.A. VI Sem

Paper No.	Name of paper	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	Max Marks	Written	internal
Paper VI	हिंदी अनिवार्य	6+2 (composition)	100	80	20

नवीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक मध्यकालीन काव्य–कुंज : सं. डॉ. रामसजन पाण्डेय
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन 1276/4 पीर जी मोहल्ला, टाकीज, रोहतक।
  मोबाइल न0 09991708080
- हिंदी साहित्य का आदिकाल
- काव्यशास्त्र
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड –क : मध्यकालीन काव्य–कुंज

- कबीर– 50 साखी
- सूरदास– 25 पद विनय, बाल लीला, रूप माधुर्य, भ्रमरगीत, संयोग एवं वियोग वर्णन
- तुलसीदास – 25 पद रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड (रामराज्य वर्णन) कवितावली : बालकाण्ड (बालरूप)
  अयोध्याकाण्ड : उत्तरकाण्ड (विविध भाव सहित)
- मीरा – 25 पद
- रसखान – 25 पद
- बिहारी – 25 पद
- घनानंद – 25 पद

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

खण्ड– ख : हिन्दी साहित्य का आदिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासोकाव्य परम्परा संक्षिप्त परिचय

खण्ड–ग : काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

- काव्य के तत्व
- रस : स्वरूप और अंग
- रस के भेद

- अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति।
- छंद–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
  शब्दशक्तियाँ : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
  काव्य–गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज

प्रयोजनमूलक हिन्दी

- अनुवाद परिभाषा
- अनुवाद का स्वरूप
- अनुवाद की प्रक्रिया
- भाषाई क्षमता का विकास
  (क) पत्र लेखन – औपचारिक पत्र, अनौपचारिक पत्र
  (ख) अनुच्छेद लेखन

खण्ड–घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।

नवीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
- व्यावहारिक हिन्दी
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड–क : ध्रुवस्वामिनी
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र–योजना
3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता
4. प्रसाद की नाट्यकला

खण्ड–ख : हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
2. संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
3. सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
4. राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड–ग : व्यावहारिक हिंदी
पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

- भाषा की परिभाषा
- भाषा और साहित्य का सम्बन्ध
- हिंदी भाषा के विकास का परिचय
- भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यमभाषा, मातृभाषा
- मनक–भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
- हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान
- मुहावरे : सैद्वांतिक पक्ष
- लोकोक्ति : सैद्धांतिक पक्ष
- मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर
- प्रतीक अर्थ, स्वरूप उदाहरण
- बिम्ब अर्थ, स्वरूप उदाहरण

- मिथक अर्थ, स्वरूप उदाहरण
- फैंटेसी : अर्थ, स्वरूप उदाहरण

खण्ड – घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।

नवीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- आधुनिक हिंदी कविता,
  प्रधान सं0 डॉ. सरिता वशिष्ठ, कुरूक्षेत्रविश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरूक्षेत्र
- हिंदी साहित्य का रीतिकाल
- प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्युटिंग और अनुवाद
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड – क : आधुनिक हिंदी कविता

- अयोध्यासिंह उपाध्याय : हरिऔध
- मैथिलीशरण गुप्त
- जयशंकर प्रसाद
- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
- भारत भूषण अग्रवाल,

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड–ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
2. रीतिकाल का नामकरण
3. रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
4. रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
5. रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड–ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

- कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व
- ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण
- इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
- मशीनी अनुवाद
- अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप
- संचार माध्यम/मीडिया लेखन
- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप

- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- फीचर परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की अवधारणा
- विज्ञापन की भाषा

खण्ड – घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।

नवीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- कथाक्रम सं0 डॉ0 रोहिणी अग्रवाल,
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1273/4 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज, रोहतक।
  मोबाइल न0 09991708080
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
- पारिभाषिक शब्दावली
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड– क : कथाक्रम

- प्रेमचंद – ईदगाह
- प्रसाद – पुरस्कार
- अज्ञेय – गैंग्रीन
- मोहन राकेश – मलबे का मालिक
- फणीश्वर नाथ रेणु – ठेस
- मैत्रीयपुष्पा – फैसला
- ओमप्रकाश वाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड– ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
2. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
3. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
4. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. हिंदी निबन्ध : उद्भव और विकास
6. आलोचना : गघ की उत्पत्ति, अर्थ, स्वरूप, परिभाषाएं, आलोचक के गुण–दोष प्रमुख हिंदी आलोचक (रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र)
7. रिपोतार्ज : अर्थ, स्वरूप परिभाषाएँ, विशेषताएँ
8. रेखाचित्र : अर्थ, स्वरूप परिभाषाएँ, विशेषताएँ
9. साक्षात्कार : अर्थ, स्वरूप परिभाषाएँ, विशेषताएँ
10. डायरी लेखन : अर्थ, स्वरूप परिभाषाएँ, विशेषताएँ

खण्ड– ग : पारिभाषिक शब्दावली
निर्धारित विषय

- पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व

- पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी।
- समन्वयवादी (25 शब्द) अंग्रेजी से हिंदी

1. Verification -	स्तयापन	14. Report-	प्रतिवेदन
2. Registration -	पंजीकरण	15. Resignation-	त्यागपत्र
3. Administration-	प्रशासन	16. Sanction-	स्वीकृति
4. Consultant -	परामर्शदाता	17. Organizer-	संयोजक
5. Affidavit-	शपथपत्र	18. Notification-	अधिसूचना
6. Applicant-	आवेदक	19. Ordinance -	अध्यादेश
7. Documents-	दस्तावेज	20. Section-	अनुभाग
8. Draft-	मसौदा	21. Instruction-	अनुदेश
9. Complaint-	शिकायत	22. Agreement-	करार
10. Designation-	पदनाम	23. Enquiry-	जाँच
11. Employment-	रोजगार	24. Period-	कालांश
12. Grant-	अनुदान	25. Syllabus-	पाठ्यक्रम
13. Incharge -	प्रभारी		

- हिन्दी का मौखिक साहित्य : सामान्य परिचय
- मौखिक साहित्य एवं लिखित साहित्य का सम्बंध

खण्ड़ – घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।

नवीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : पाँचवा सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- समकालीन हिंदी कविता, सम्पादक – डॉ. सरिता वशिष्ठ (कुरूक्षेत्रविश्वविद्यालय,)
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
- प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन
- भाषा शिक्षण
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड–क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

प्रस्तुत पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया गया है–

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
2. धर्मवीर भारती
3. श्रीनरेश मेहता
4. नागार्जुन
5. रघुवीर सहाय
6. कुँवर नारायण
7. लीलाधर जगूड़ी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

खण्ड–ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भारतेन्दुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
2. द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
3. छायावाद
4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद
6. नयी कविता
7. समकालीन कविता

खण्ड–ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रलेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

- पत्रलेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद
- संक्षेपण

- पल्लवन
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं
- प्रथम भाषा /मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

खण्ड – घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।

न्वीन पाठ्यक्रम
(गुरूग्राम विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई 2021–2022
बी.ए. : षष्ठ सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक/पाठ्य विषय

- **नव्यतर गद्य–गौरव**
- नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्पुस्तक, (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र सम्पादित)
- हरियाणवी लोक साहित्य का इतिहास
- हिंदी पत्रकारिता एवं भाषा शिक्षण
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड–क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक : नव्यतर 'गद्य गौरव'

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित लेखकों की रचनाओं को शामिल किया गया है:–

1. बालमुकुन्द गुप्त : (निबन्ध)
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : (निबन्ध)
3. महादेवी वर्मा : (संस्मरण)
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : (ललित निबन्ध)
5. विद्यानिवास मिश्र : (ललित निबन्ध)
6. हरिशंकर परसाई : (व्यंग्य)
7. राहुल सांकृत्यायन : (यात्रावृतान्त)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड–ख : हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास
2. हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
3. हरियाणा की सांग परम्परा : उद्भव और विकास
4. हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य
   (क) हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
   (ख) हरियाणवी का गद्य साहित्य
      1. उपन्यास साहित्य
      2. कहानी साहित्य
      3. नाट्य साहित्य

खण्ड–ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रकारिता एवं भाषा शिक्षण

- पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार
- शीर्षक की संरचना
- सम्पादक के गुण और दायित्व
- फीचर लेखन

- स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा
- प्रुफ रीडिंग का स्वरूप एवं प्रुफ संशोधन के नियम
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं–भाषा कौशल–श्रवण,वाचन लेखन
- भाषा के कौशल के रूप में शिक्षण
- सक्षात्कार : अर्थ एवं स्वरूप

खण्ड : घ – वस्तुनिष्ठ प्रश्न

पाठ्यक्रम निर्देश –

- खण्ड–(क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- खण्ड–(ख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।
- खण्ड– (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों से छः लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित ओलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पुछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। यह कुलांक 12 अंक का होगा।
- खण्ड– (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।
- खण्ड–(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- खण्ड– (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 7 अंक का होगा।